नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 238 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, गुरुवार 7 जुलाई 2022

पेज -3 पर

कलेक्ट्री के पुराने दिनों को ओपी ने याद किया

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

13 साल की लड़की के साथ युवक ने फांसी लगाई

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में 18 साल के लड़के ने 13 साल की लड़की के साथ फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों के शव बुधवार को गांव में एक ही पेड़ से लटके हुए मिले हैं। दोनों ही देर रात अपने घर से निकले थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। फिलहाल दोनों ने खुदकुशी क्यों की, यह पता नहीं चल सका है। मामला पिपरिया थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मरका गांव में बुधवार सुबह खेत जब लोग खेत में काम करने पहुंचे तो बबूल के पेड़ पर लड़का और लड़की की लाशें लटकी हुई थी। दोनों ने नाइलोन की रस्सी से फांसी लगाई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। दोनों लड़के-लड़की उसी गांव के रहने वाले हैं। लड़की नाबालिग है, जबकि लड़का 18 साल का है और उसका नाम मंगल यादव है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पूछताछ में परिजनों ने पुलिस को बताया कि जब वे सुबह उठे, तो बच्चे घर में नहीं थे। कुछ देर तक उन्हें आसपास इधर- उधर ढूंढा। तभी गांव के बाहर लड़का-लड़की के फांसी लगाए जाने की खबर मिली।

एंकर रोहित फरार घोषित, गिरफ्तारी के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस की रेड

रायपुर ए.। न्यूज चैनल के एंकर की गिरफ्तारी को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा जारी है। एक ओर एंकर रोहित रंजन मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए 7 जुलाई की तारीख तय कर दी, वहीं वकील ने बताया कि हमने तो याचिका ही दायर नहीं की है।

इसके बाद जज ने अधिवक्ता को फटकार भी लगाई। दूसरी ओर रायपुर पुलिस ने एंकर को फरार घोषित कर दिया है। अब उनके संभावित ठिकानों पर छापे मारे जा रहे हैं। रोहित रंजन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने मीडिया से कहा कि एंकर के शो में एक गलती चली गई थी। अब छत्तीसगढ़ पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना चाहती है। फिर एक केस की सुनवाई के दौरान वकील ने

कोर्ट में कहा कि रोहित रंजन पर कई एफआईआर दर्ज की है। इस पर जल्द सुनवाई हो, वरना उन्हें बार-बार हिरासत में लिया जाएगा। इस पर कोर्ट ने कल की

मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, पर वकील ने कहा-याचिका ही दायर नहीं

तारीख दे दी, पर फिर बताया गया कि याचिका ही दायर नहीं की गई है। दरअसल, यह पूरा मामला शुरू हुआ छत्तीसगढ़ पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस के विवाद के साथ। रायपुर पुलिस की गिरफ्तारी से पहले ही नोएडा पुलिस एंकर रोहित रंजन को छुड़ाकर ले गई। कांग्रेस नेताओं के दबाव और काफी हंगामे के बाद मंगलवार देर रात गिरफ्तारी दिखाई। फिर जमानत पर रिहा कर दिया। इसके बाद से एंकर का पता नहीं है। रायपुर पुलिस की टीम बुधवार सुबह करीब 9 बजे आरोपी एंकर रोहित रंजन के गाजियाबाद स्थित निवास पहुंची थी। पुलिस ने बताया कि वहां घर लॉक था और आरोपी एंकर फरार हो चुका था। दूसरी ओर नोएडा पुलिस का कहना है कि उनके पास दर्ज स्नड्रक्र पर पूछताछ के लिए एंकर को लाया गया था, उसके बाद गिरफ्तारी की गई।जमानतीय धाराओं में अपराध होने के चलते उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

हाथी समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति आक्रोश, मुख्यमंत्री से करेंगे शिकायत

हाथी समस्या का समाधान छोड़ निर्माण कार्य मे व्यस्त वन विभाग

जोहार छत्तीसगढ़. धरमजयगढ़।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्र में पहुंचकर आमजनता से भेंट मुलाकात कर रहे हैं। धरमजयगढ़ क्षेत्र में भेंट मुलाकात कार्यक्रम 9 जुलाई को प्रस्तावित है। शासन-प्रशासन इस कार्यक्रम को सफल बनाने पसीना बहा रहे हैं।

वहीं आमजनता भी मुख्यमंत्री आने का इंतजार कर रही है। ताकि विभागों के लापरवाही से मुख्यमंत्री को अवगत कराया जा सके। बता दें कि धरमजयगढ़ क्षेत्र में खासकर ओंगना, पोटिया, आमगांव, क्रोधा, सेमीपाली, नरकालो, फ तेहपुर, उदउदा क्षेत्रों के लोगों के लिए आफत बने जंगली हाथियों द्वारा फसल नुकसानी और मुआवजा देने के नाम पर वन विभाग के कर्मचारियों के सुस्त रवैये से परेशान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्या रखने का मन बना लिया है। ओंगना गांव में पीछले 10 वर्ष से जंगली हाथियों ने अपना डेरा डाल रखा है और

किसान भयभीत होकर अपने खेतों में काम करने जाते हैं विदित हो ओंगना गांव में जंगली हाथियों के हमलें से किसानों की मौत हो चुकी है। पर वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी इस विकराल बने समस्या का समाधान ना कर निर्माण कार्य में व्यस्त रहते हैं। मुख्यमंत्री के आगमन से गांव के लोगों में आश बंधी है कि अब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल धरमजयगढ़ आ रहे हैं, तो जरूर हाथी समस्या का समाधान और उचित मुआवजा समय पर मिल सकता है। इस समस्या से प्रभावित ग्रामीण पहले भी शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी बात रख चुके हैं। लेकिन मामले को अधिकारी रद्दी की टोकरी में फेंक देते हैं। इसलिए ग्रामीण अब प्रदेश की मुखिया को इस गंभीर समस्या से अवगत कराएंगे। ताकि लापरवाह वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी पर कार्यवाही हो सके।

कार्रवाई हुई

भर्ती परीक्षा में अपनी जगह दूसरे को भेजा, दोनों गिरफ्तार

रायपुर। भर्ती और प्रतियोगी परीक्षा में मोटी रकम लेकर दूसरे की जगह पर्चा लिखने वाले झारखंड के युवक को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एसएससी की परीक्षा पास कराने के लिए 2 लाख में सौदा किया था।

वह परीक्षा देने वाले छात्र के साथ रायपुर पहुंचा। परीक्षा देने वाला छात्र सेंटर के बाहर चाय ठेले पर बैठा रहा। उसकी जगह झारखंड का युवक परीक्षा देने भीतर गया। वह पर्चा लिखने लगा। दस्तावेज की जांच के दौरान फंस गया। जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने पूरी घटना बताई। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी यूपी और दिल्ली में दूसरे की जगह कई बार परीक्षा में बैठ चुका है। हालांकि उसके ऊपर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि कर्मचारी चयन आयोग द्वारा मल्टी टास्किंग स्टाफ और हवलदार की परीक्षा आयोजित की गई है। इसका रायपुर में सरोना स्थित संस्था में सेंटर था। जहां मंगलवार को 231 छात्र परीक्षा देने आए थे। इसमें यूपी मथुरा का सोनवीर सिंह भी शामिल था।

रायपुर में वीवो के कार्यालय पर ईडी ने मारा छापा, 44 ठिकानों में चल रही है कार्रवाई

रायपुर. चीनी स्मार्टफोन मोबाइल निर्माता वीवो कंपनी के रायपुर आफिस में प्रवर्तन निदेशालय ईडी की टीम ने छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि राजधानी के तेलीबांधा स्थित वीवो दफ्तर में ईडी के करीब दर्जनभर से ज्यादा अधिकारी मौजूद हैं। छापेमारी के दौरान ईडी की टीम लैपटाप, हार्ड डिस्क समेत कई इलेक्ट्रानिक डिवाइस की जांच कर रही है। वीवो के देशभर में 44 ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई जारी है।

ग्रामीण क्षेत्रों को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है: डॉ. डहरिया

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को आमजनों के लिए सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है। इन क्षेत्रों में बुनियादी आवश्यकता के कार्य प्राथमिकता के साथ पूरे किए जा रहे हैं। आवागमन की सुविधा के लिए सड़क, शिक्षा व्यवस्था के लिए स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अस्पताल, शुद्ध पेयजल के लिए टेप नल सहित सभी मूलभूत सुविधाओं के कार्य किए जा रहे है। डॉ. डहरिया ने रायपुर जिले के नगर पालिका आरंग में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बाते कही। डॉ. डहरिया ने नगर पालिका आरंग क्षेत्र के करीब 28 करोड़ रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में राज्यगीत से होगी प्रार्थना की शुरुआत

रायपुर. छत्तीसगढ़ के स्कूलों में अब प्रार्थना सभा की शुरुआत राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' से होगी। प्रार्थना सभा की अगुवाई मासिक आकलन में सर्वाधिक अंक पाने वाले पांच विद्यार्थी करेंगे। इसी आधार पर प्रत्येक माह बच्चों का चयन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए प्रार्थना सभा के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। नए निर्देशों के मुताबिक प्रार्थना सभा में शाला नायक, विद्यार्थियों को देश और प्रदेश की एकता, समृद्धि के लिए शपथ दिलाएगा। इस दौरान इतनी शक्ति हमें देना दाता जैसा एक प्रेरणा गीत गाया जाएगा। समाचार पत्र से सामान्य ज्ञान और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुख्य समाचारों की हेडलाइन का वाचन किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थी ही कोई नैतिक या प्रेरक कहानी सुनाएंगे। विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान के साथ प्रार्थना सभा का समापन किया जाएगा।

करीब 20 मिनट की प्रार्थना सभा

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रार्थना सभा में प्रत्येक हिस्से के लिए समय भी निर्धारित कर दिया है। राज्यगीत के लिए एक मिनट 15 सेकेंड, शपथ के लिए एक मिनट, प्रेरणा गीत के लिए 2 मिनट, समाचार पत्र वाचन के लिए 5 मिनट, नैतिक व प्रेरक कहानी के लिए 5 मिनट और राष्ट्रगान के लिए 52 सेकेंड का समय तय हुआ है। यानी प्रार्थना सभा के आयोजन से विसर्जन तक करीब 20 मिनट का वक्त लगेगा।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाला पति गिरफ्तार

रायपुर । ग्राम बहेसर में एक महिला ने जहर सेवन कर आत्महत्या कर ली थी। जिसमें जांच के दौरान नेवरा पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बहेसर निवासी मृतिका विद्या टंडन 35 वर्ष ने 11 जनवरी 2022 को जहर सेवन कर आत्महत्या कर ली थी। जिसमें पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी पति जीतेन्द्र टंडन महिला को आत्महत्या करने के लिए उकसाता था। जिससे महिला ने आत्महत्या की थी। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को धारा 306 के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

प्रेस कांफ्रेस... दुर्ग पहुंचे बृजमोहन अग्रवाल ने राज्य सरकार पर लगाए आरोपों की बौछार

भ्रष्टाचार व कानून व्यवस्था पर नियंत्रण नही- पूर्व मंत्री बृजमोहन

दुर्ग। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं रायपुर से भाजपा के वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने राज्य के भूपेश बघेल सरकार के कार्यशैली के खिलाफ जमकर निशाना साधा है। बुधवार को जिला भाजपा कार्यालय पहुंचे श्री अग्रवाल ने मीडिया से चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।

कानून व्यवस्था चरमरा गई है। कोल,रेत,शराब,जमीन, धान व खाद माफियाओं का बोलबाला बढ़ गया है। जिस पर राज्य सरकार का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। छत्तीसगढ़ पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए एटीएम बन गया है। भाजपा के शासन काल में पिछले 15 वर्षों में प्रदेश ने तेजी से विकास किया है, लेकिन कांग्रेस की सत्ता आते ही विकास में विराम लग गया और भ्रष्टाचार, लूटखसोट व अपराध का बोलबाला बढ़ गया है।जिसके लिए प्रदेश की कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। जनता सब समझ रही है।आने वाले समय में जनता राज्य सरकार से हिसाब मांगेगी और उसे उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने पिछले दिनों प्रदेश के 30 स्थानों पर पड़े आईटी छापे का जिक्र करते हुए कहा कि छापा में जांच टीम को करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति का पता चला है। यह भ्रष्टाचार का बड़ा प्रमाण है। यह सब भ्रष्टाचार राज्य सरकार के संरक्षण में हो रहा है, अगर संरक्षण नहीं था तो राज्य सरकार ने कार्यवाही करने की हिम्मत क्यों नहीं की। यह बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। जो राज्य सरकार के कार्यशैली को संदेह के दायरे में ला रही है। श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था चरमराने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में लगातार हत्या, लूट, अनाचार, चोरी व अवैध वसूली की घटनाएं सामने आ रही है।

इनकम टैक्स रेड पर बोले मुख्यमंत्री

भूपेश बघेल ने कहा-रमन सिंह कुछ भी बोलते हैं, पूर्व सीएम ने कहा था-छापों में करोड़ों का भ्रष्टाचार उजागर

पेंड्रा/राजनांदगांव ए.। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व सीएम रमन सिंह के इनकम टैक्स छापों पर दिए गए बयान को लेकर तंज कसा है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि रमन सिंह कुछ भी बोलते रहते हैं।

एक दिन पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा था कि 30 जून को छत्तीसगढ़ के कुछ शहरों में पड़े आयकर छापे में

करोड़ों के अवैध लेनदेन के सबूत मिले हैं। 9 करोड़ नगदी के साथ ज्वेलरी भी जब्त की गई है।

अपने तीन दिवसीय दौरे के बाद बुधवार को बिलासपुर रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से बात की। अमरकंटक से लौटे मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरेला पेंड्रा मरवाही की तरह पूरे प्रदेश में बारिश हो मैंने मां नर्मदा और भगवान शिव से यही प्रार्थना की है। कहा कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने जांजगीर-चांपा की रेप और हत्या की घटना पर कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी सजा होगी।

असम की बाढ़ है खतरे की घंटी, मौसम के पूर्वानुमान से पहले ही कर लेनी चाहिए तैयारी

असम के दरांग जिले के बासाचुबा गांव के लोग पहले मई और फिर जून में दो बार भयंकर बाढ़ से बेघर हो गए। अगर जुलाई में फिर इसी तरह से बारिश हुई, तो दरांग के गांवों में तीन महीने में फिर तीसरी बार बाढ़ आ सकती है। मौसम के पूर्वानुमान में जुलाई के अंत में भारी बारिश की आशंका व्यक्त की गई है, ऐसे में पूरे असम के ग्रामीण लोग सबसे बुरी स्थिति न आने के लिए केवल प्रार्थना कर सकते हैं।

दरांग वह जिला है, जहां ब्रह्मपुत्र नदी की कई सहायक नदियां भूटान से नीचे बहती हैं और नदी की मुख्यधारा में मिल जाती हैं। बासाचुबा के ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों तक बारिश होने से सहायक नदियों के दोनों किनारों पर तटबंध टूट गए, इससे दोनों तरफ के गांव डूब गए। एक ग्रामीण मृणमयनाथ बताते हैं, %गांव के ऊंचे इलाकों में भी घुटनों तक पानी भर गया। चार-पांच दिनों से पीने का पानी नहीं है क्योंकि नलकूप पानी में डूबे हुए हैं। यहां तक कि शौचालय भी पानी में डूब गए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, असम की मौजूदा बाढ़ ने 181 लोगों की जान ले ली और 32 जिलों में करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए। कई जगहों पर गांवों को नदियों की बाढ़ से बचाने के लिए बनाए गए तटबंध टूट गए।

असम में विभिन्न कारणों से बार-बार बाढ़ आने का खतरा रहता है। पहला, उच्च अवसादन और खड़ी ढलानों के कारण असम से गुजरते हुए ब्रह्मपुत्र नदी बेतरतीब ढंग से बहती है। दूसरा, असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ अन्य हिस्सों में बार-बार भूकंप आने का खतरा होता है, जो भूस्खलन का कारण बनता है।

ग्रामीणों पर यह आरोप लगा कि दक्षिणी असम में बराक नदी के खतरे के निशान पर पहुंचने के साथ उन्होंने अपने गांवों को बाढ़ से बचाने के लिए बेथुकांडी बांध के एक बड़े हिस्से को काट दिया। इससे बराक नदी के तटबंध में बड़ा छेद हो गया और असम का दूसरा सबसे बड़ा शहर सिलचर बाढ़ की चपेट में आ गया।

सिलचर के निवासियों ने कहा कि शहर पूरे 18 दिनों तक कमर तक पानी में डूबा रहा। 83 साल के रंजीत नंदी ने कहा, %हमने कई बाढ़ देखी है, लेकिन 70 साल में ऐसी बाढ़ नहीं देखी। लगभग एक सप्ताह तक न बिजली थी, न पीने का पानी, न भोजन।% असहाय आबादी को पानी की बोतल एवं खाने के पैकेट उपलब्ध कराने के लिए कछार जिला प्रशासन को भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर की मदद लेनी पड़ी।

पुलिस ने बताया कि महिषा बील के निवासियों ने बराक नदी से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए बेथुकांडी में तटबंध तोड़ दिया था। जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता देबब्रत पाल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने सिलचर में बाढ़ वाले इलाके में जाकर लोगों की तकलीफों को समझने की कोशिश की और जिला पुलिस को तटबंध काटने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निरंतर भारी बारिश के कारण लोगों को कोई राहत नहीं है। राज्य में 19 जून, 2022 तक 53.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जून के पहले 12 दिनों में कुल 528.5 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 109 प्रतिशत अधिक थी। पृथ्वी के सबसे नम क्षेत्र मेघालय में जून में 1,215.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, नतीजतन 185 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के चलते असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और अंत में मणिपुर में भयंकर भूस्खलन हुआ, जिसमें दर्जनों प्रादेशिक सेना के जवान और स्थानीय ग्रामीण दब गए। मणिपुर में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या अब 27 हो गई, और 40 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल ने इस अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ के बाद पूर्वोत्तर में विनाशकारी भूस्खलन को दुर्लभ घटना बताया है। उन्होंने कहा कि प्रशांत क्षेत्र में ला नीना और हिंद महासागर में एक नकारात्मक द्विध्रुवीय संयोजन ने बंगाल की खाड़ी में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहने वाली हवाओं को मजबूत किया है।

बंगाल की खाड़ी में ये तेज मानसूनी हवाएं अब पहले से कहीं अधिक नमी ला सकती हैं। बढ़ते तापमान के साथ वायुमंडलीय नमी की मात्रा बढ़ जाती है, क्योंकि गर्म हवा लंबे समय तक अधिक नमी रखती है। इसलिए अब हम जो भारी मात्रा में वर्षा देखते हैं, वह जलवायु परिवर्तन के कारण हो सकती है।

असम का अधिकांश हिस्सा बाढ़ से बचाव के लिए नदी के तटबंधों पर निर्भर है। लेकिन मई में तटबंध टूट गए और ठेकेदारों द्वारा जल्दबाजी में बनाए गए तटबंध जून में भारी बारिश के दौरान फिर से टूट गए। जिन कंपनियों को सरकार द्वारा ठेके दिए जाते हैं, उन्हें बार-बार तटबंध टूटने से लाभ हुआ। 19 जून, 2022 की असम राज्य आपदा प्रबंधन बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, असम के 20 जिलों में कुल 297 तटबंध टूट गए, जिनमें से 33 केवल दरांग जिले में हैं।

सुबीर भौमिक

संपादकीय

प्रतिबंधों का पलट-वार

रूस रुबल में कर्ज चुकाने की बात कह रहा है। जबकि पश्चिमी देशों का दावा है कि उसे ऐसा उस मुद्रा में करना होगा, जिसमें उसने कर्ज लिया था। जी-7 देशों के शिखर बैठक से ये बात साफ उभर कर सामने आई कि रूस पर पश्चिमी देशों ने जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनके हुए उलटे असर वे परेशान हैं। नतीजतन, उन्होंने रूस से तेल खरीद की नई नीति घोषित की। इसके तहत अब तेल खरीद पर पूरा प्रतिबंध नहीं रहेगा, बल्कि एक पूर्व निर्धारित कीमत पर देशों को रूस से तेल खरीदने की इजाजत दी जाएगी। अब ये बात दीगर है कि जब पूरे प्रतिबंध के मामले में पश्चिमी देश रूस पर अपनी शर्तें नहीं थोप पाए, तो खरीदारी पर ये शर्त मानने के लिए वे रूस को कैसे मजबूर करेंगे। दूसरा एक बड़ा मुद्दा रूस के कर्ज चुकाने का है। अब ये साफ हो गया है कि रूस को वैश्विक वित्तीय सिस्टम से बाहर करने का नुकसान अब पश्चिमी संस्थाओं को भी होने जा रहा है। पश्चिमी देशों और वहां के मीडिया का दावा है कि रूस अपने दो बॉन्ड्स पर ब्याज की दस करोड़ डॉलर की रकम चुकाने में नाकाम रहा है। इस तरह वह डिफॉल्टर हो गया है। जबकि रूस का दावा है कि उसने समयसीमा के भीतर अपनी देनदारी पूरी कर दी। विवाद की जड़ में कर्ज चुकाने की अपनी-अपनी परिभाषाएं हैं। अमेरिका ने दावा किया है कि रूस का डिफॉल्टर होना अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों की सफलता है। जबकि रूस का कहना है कि उसने अपनी देनदारी का भुगतान समय पर कर दिया, लेकिन वह रकम यूरोक्लीयर में अटकी हुई है।

काश! विवाह में अपनाई जाएं इंदौर के वर की यह नौ मांगें

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से विवाह संस्कार को लेकर एक पोस्ट तेजी से घूम रही है। बड़ी संख्या में यूजर्स इसे लाइक, शेयर और कमेंट कर रहे हैं। जिस गति से यह पोस्ट आगे बढ़ाई जा रही है, उससे एक बात साफ है, हम में से बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो विवाह की चकाचौंध और तड़क-भड़क वाली परिपाटी में बदलाव ढूंढ रहे हैं। यूं कहें विवाह के दौरान हो रहीं ऊलजुलूल हरकतें बड़ी संख्या में लोगों को अब रास नहीं आ रही हैं। संभवत: इस पोस्ट में दीं बातें काल्पनिक हैं, लेकिन यह दिल को छू लेने वाली हैं।

पोस्ट कुछ इस प्रकार है। इंदौर में वर की मांगों से आश्चर्यचकित हुआ वधू परिवार। विवाह पूर्व एक लड़के की अनोखी मांगों से कन्या पक्ष हैरान है। लड़के की मांगों की चर्चा पूरे शहर में हो रही है। यह मांगें दहेज को लेकर नहीं, बल्कि विवाह संपन्न कराने के तरीके को लेकर हैं। अब जरा मांगों पर गौर फरमाएं। पहली मांग- कोई प्री वेडिंग शूट नहीं होगा। दूसरी मांग- वधू विवाह में लहंगे के बजाय साड़ी पहनेगी। तीसरी मांग - मैरिज लॉन में ऊलजुलूल अश्लील कानफोड़ू संगीत के बजाय हल्का इंस्ट्रूमेंटल संगीत बजेगा।

वरमाला के समय केवल वर-वधू ही स्टेज पर रहेंगे। पांचवीं मांग- वरमाला के समय वर या वधू को उठाकर उचकाने वालों को विवाह से निष्कासित कर दिया जाएगा। छठी मांग- पंडित जी द्वारा विवाह प्रक्रिया शुरू कर देने के बाद कोई उन्हें रोके-

विवाह समारोह दिन में हो और शाम तक विदाई संपन्न हो, जिससे किसी भी मेहमान को रात 12 से 1 बजे खाना खाने से होने वाली समस्या जैसे अनिद्रा, एसिडिटी आदि से परेशान ना होना पड़े। मेहमानों को अपने घर पहुंचने में मध्य रात्रि तक का समय ना लगे और असुविधा ना हो। नौवीं मांग- नव विवाहित को सबके सामने किस या आलिंगन के लिए कहने वाले को तुरंत विवाह से निष्कासित कर दिया जाएगा।

टोकेगा नहीं। सातवीं मांग- कैमरामैन फेरों आदि के चित्र दूर से लेगा, न कि बार-बार पंडित जी को टोककर। ये देवताओं का आह्वान करके उनके साक्ष्य में किया जा रहा विवाह समारोह है, ना की किसी फिल्म की शूटिंग। वर-वधू द्वारा कैमरामैन के कहने पर उल्टे-सीधे पोज नहीं बनाए जाएंगे।

विवाह समारोह दिन में हो और शाम तक विदाई संपन्न हो, जिससे किसी भी मेहमान को रात 12 से 1 बजे खाना खाने से होने वाली समस्या जैसे अनिद्रा, एसिडिटी आदि से परेशान ना होना पड़े। मेहमानों को अपने घर पहुंचने में मध्य रात्रि तक का समय ना लगे और असुविधा ना हो। नौवीं मांग- नव विवाहित को सबके सामने किस या आलिंगन के लिए कहने वाले को तुरंत विवाह से निष्कासित कर दिया जाएगा। कोई भी समझदार व्यक्ति इन मांगों को नकार नहीं सकता। यदि हम अपने बड़े बुजुर्गों से पूछेंगे तो वो बताएंगे कि उनका विवाह ऐसे ही सुंदर तरीके से संपन्न हुआ था। 70-80 के दशक में जब फोटो खींचने का चलन बढ़ा तो विवाह समारोह में कैमरा ने एंट्री कर ली। विवाह की अलबन बनने लगीं, लेकिन 90 के दशक की शुरुआत में वीडियो कैमरा की एंट्री हुई और बड़ा परिवर्तन विवाह समारोह में आ गया। अब फोटो के साथ वीडियो भी अनिवार्य हो चला था।

असली परिवर्तन इंटरनेट की एंट्री से शुरू हुआ। हम दुनिया से जुड़ चुके थे और विवाह समारोह चकाचौंध की तरफ बढ़ गए। करीब-करीब एक दशक पहले प्री-वेडिंग शूट की शुरुआत ने तो सबकुछ खुल्लम-खुला कर दिया। जहां पहले वर-वधू के विवाह पूर्व मिलना भी अच्छा नहीं माना जाता था, वहां ओपननेस के नाम पर सबकुछ जायज ठहरा दिया गया। अब तो लाखों-करोड़ रुपए के प्री-वेडिंग शूट्स ही हो रहे हैं, जो एक साधरण मध्यवर्गीय परिवार की पहुंच से दूर हैं, लेकिन चूंकि इसे विवाह का अनिवार्य अंग बना दिया गया है, सो मजबूरी में परिवार सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए जेब पर पड़ने वाले बोझ को दबी जुबान से स्वीकार कर रहे हैं।

विनोद पाठक

मिला जुला

किन्नौर में भूस्खलन होने से एनएच-5 बंद

कुल्लू के मणिकर्ण में फटा बादल, चार लोग लापता

कुल्लू. हिमाचल प्रदेश में बारिश ने तबाही मचा रखी है। कुल्लू जिले के मणिकर्ण में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय छलाल पंचायत के प्रधान चुनी लाल के मुताबिक बादल फटने से चोज में एक होमस्टे, कैंपिंग साइट और एक पैदल पुल बाढ़ की चपेट में आने से बह गया है। हादसे में चार लोग भी बह गए हैं। सभी लोग कामगार बताए जा रहे हैं। वहीं, किन्नौर जिले में भूस्खलन होने की वजह से एनएच-5 बंद हो गया है। फिलहाल हाईवे को खोलने के लिए टीम लगी हुई है।

जानकारी के अनुसार, मणिकर्ण और कसोल के बीच बुधवार सुबह करीब 5 बजे बादल फटने के घटना हुई। इसके अलावा जिला कुल्लू के अंतर्गत मणिकर्ण घाटी की पार्वती नदी के सहायक नाले चोज गांव में बुधवार सुबह पानी एकाएक बढ़ गया। इस वजह से पार्वती नदी के किनारे स्थित एक कैंपिंग साइट पूरी तरह से तबाह हो गई है। केपिंग साइट से कुछ लोगों के लापता होने की सूचना है।कुल्लू के अंतर्गत मणिकर्ण घाटी में बादल फटन से आई बाढ़ में मलाणा गांव के पास मलाणा पावर प्रोजेक्ट की एडिट 1 (टनल) के समीप नाला में एक स्थानीय महिला शाजी देवी (उम्र 34 वर्ष) पत्नी सिंगाराम निवासी साराबेहड़ मलाणा जिला कुल्लू के पानी में बहने की सूचना है। इसके अतिरिक्त 10 से 12 घोड़े व लोगों की गाड़ियों के बहने की सूचना है। स्थानीय मलाणा पंचायत के उपप्रधान राजू राम ने बाढ़ में घोड़ों के बहने की पुष्टि की है। वहीं कई जगहों पर सड़क के बंद होने से पर्यटक व आम लोग फंसे हुए है।

पहाड़ी में बादल फटने से मची तबाही

इससे पार्वती नदी का जलस्तर भी उफान पर है और पूरी पार्वती घाटी में अफरा-तफरी का माहौल है। पीछे पहाड़ी में बादल फटने से तबाही मची है। पार्वती नदी के किनारे स्थित पर्यटकों के लिए कैंपिंग साइट बनाई गई थी, यह बह गई है। जिला कुल्लू में हुई भारी बारिश से कई सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। खासकर मणिकर्ण घाटी के अधिकतर मार्ग बंद हो गए हैं और जगह-जगह भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटना से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भूस्खलन होने से एन-एच-5 सुबह से बंद - दूसरी ओर, झाकड़ी के नजदीक ब्रोनी खड्डु के पास भूस्खलन होने से एन-एच-5 सुबह से बंद है। हाईवे के बंद होने से किन्नौर के लिए संपर्क मार्ग बंद हो गया है। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

PM मोदी ने तेजस्वी यादव को फोन कर पूछा- कैसे हैं लालू यादव?

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव इन दिनों अस्पताल में भर्ती हैं। उनका इलाज पटना के पारस अस्पताल में चल रहा है। उन्हें देखने और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानने को लेकर नेताओं का अस्पताल में आना-जाना लगा हुआ है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को फोन कर लालू यादव की सेहत की जानकारी ली। पीएम मोदी ने लालू प्रसाद यादव के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जिस वक्त प्रधानमंत्री का फोन आया उस समय तेजस्वी यादव पारस अस्पताल में अपने पिता लालू यादव के पास ही थे। तब तेजस्वी यादव डॉक्टरों से लालू यादव के स्वास्थ्य के बारे में राय मशविरा ले रहे थे।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद हालत नाजुक

पटना के पारस अस्पताल में भर्ती बिहार के पूर्व सीएम व राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की हालत नाजुक है। उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली लाने की तैयारी की जा रही है। इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव से फोन पर चर्चा कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। तेजस्वी ने बिहार की जनता से भावुक अपील भी की है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव रविवार को पटना में राबड़ी देवी के सरकारी आवास में गिर गए थे। इससे उनके कंधे की हड्डी टूट गई थी। शरीर के अन्य हिस्सों में भी उन्हें गंभीर चोटें आई थीं।

पार्टी के बहाने IIT की छात्रा से IAS ने की छेड़छाड़, पहुंचा सलाखों के पीछे

झारखंड के खूंटी जिले के ढ्रस अधिकारी सैयद रियाज अहमद पर कानून का शिकंजा और कस गया है. रियाज अहमद फिलहाल एसडीएम पद पर तैनात हैं. आरोप है कि सैयद रियाज अहमद ने एक आईआईटियन छात्रा से छेड़खानी की और जबरदस्ती उसका किस लेकर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया. इस मामले में पीड़िता ने धारा 164 के तहत कोर्ट में अपने बयान दर्ज करवाए थे. जिसके बाद एसडीएम के ऊपर गैर-जमानती धाराओं के साथ 354, 354ए और 509 भी जोड़ दी गई हैं. इसके साथ ही एसडीएम सैयद रियाज अहमद को गिरफ्तार करके खूंटी जेल भेज दिया गया है.

आईआईटी की छात्रा ने दी थी शिकायत- खूंटी जिले के उपायुक्त शशि रंजन ने बताया कि आईआईटी से पास आउट एक छात्रा ने आरोपी आईएएस के खिलाफ शिकायत दी थी. वह इंटर्नशिप के लिए खूंटी जिले मे आई थी. उसकी शिकायत के आधार पर 4 जुलाई की रात में आरोपी आईएएस के खिलाफ केस दर्ज किया गया.

1 जुलाई को हुई थी शर्मनाक घटना

खूंटी के एसपी अमन कुमार के मुताबिक, 'हिमाचल प्रदेश के IIT की एक छात्रा बाकी सहपाठियो के साथ इंटर्नशिप के लिए जिले में आई थी. आईएएस सैयद रियाज अहमद ने अपने सरकारी आवास पर उनके ग्रुप के लिए 1 जुलाई को एक पार्टी रखी थी. आरोप है कि जब छात्रा अपने साथियों के साथ 2 जुलाई की सुबह जब पार्टी से निकलने लगी तो मौके का फायदा उठाकर आईएएस अधिकारी ने कथित तौर पर उसके साथ छेड़खानी की. इस दौरान आईएएस ने छात्रा के साथ जबरदस्ती किस किया और शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाला. छात्रा ने घटना की सूचना स्थानीय महिला थाना में दी.

क्या है उद्धव का इशारा?

वफादार शिवसैनिकों और गद्दारों के बीच फंसा हूं, बीच का रास्ता निकालूंगा

मुंबई. महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर सीएम एकनाथ शिंदे और बागी विधायकों पर हमला बोला। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि वो निष्ठावान शिवसैनिकों और गद्दारों के बीच फंसे हैं। लेकिन जल्द ही बीच का रास्ता निकाला जाएगा।

उद्धव के बयान से साफ है कि वो शिंदे समेत बागी शिवसेना विधायकों को बख्शने के मूड में नहीं है और महाराष्ट्र में बड़े राजनीतिक घटनाक्रम अभी और देखने को मिल सकते हैं। कभी शिवसेना का हिस्सा रहे और उद्धव ठाकरे के करीबी एकनाथ शिंदे आज उद्धव ठाकरे की आंख पर चुभते हैं। कारण- शिवसेना में टूट और महा विकास अघाड़ी सरकार का बाहर होना। शिंदे ने शिवसेना की वो हालत कर दी है कि 2019 चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी रही शिवसेना विधानसभा में विपक्ष का पद भी नहीं पा सकी। उसकी जगह एनसीपी ने ली है और अजीत पवार विपक्ष के नेता हैं।

गद्दारों और शिवसैनिकों के बीच फंसा

उद्धव ठाकरे ने कहा कि वो आज निष्ठावान शिवसैनिकों और गद्दारों के बीच फंस गए हैं। आज शिवसैनिकों के आंखों में आंसू है। लेकिन मैं जल्द ही बीच का रास्ता निकालूंगा। उन्होंने एक बार शिवसैनिकों से एकजुट होने की अपील की। शिंदे गुट पर हमला बोलते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी पीठ पर छुरा घोंपा गया। उनके साथ गद्दारी की गई। लेकिन शिवसेना इतने झटकों से घबराने वाली हैं। इससे पहले भी शिवसेना ऐसी परिस्थितियां देख चुकी है, इसलिए जल्द ही हम इससे उबर जाएंगे।

यू .पी.में हंगामा छत्तीसगढ़ में हाथ की सफाई, कांग्रेस का दोहरा चरित्र

महासमुंद / पत्रकार वार्ता में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे ने यह भी कहा कि,2 जुलाई की रात को अकलतरा नगर पालिका जांजगीर जिले में वार्ड 2 पोंडी भट्ठा मोहल्ला में रात को एक अकेली महिला जिसकी उम्र 53 साल की थी, का बलात्कार होता है फिर दिल्ली के निर्भया कांड की तरह नृशंस हत्या कर दी जाती है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

पुलिस की अधिकृत प्रेस विज्ञप्ति इस जघन्य अपराध की पुष्टि करती है । आरोपी सूरज भोई बाद में पकड़ा जाता है। वह अपना गुनाह कबूल करता है और नशे का जिक्र करता है। इसका भी वीडियो है। आज तक इस बात को लेकर कांग्रेस पार्टी से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है । हाथरस उत्तर प्रदेश में कोई घटना होती है तो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी तुरंत पहुंच जाते हैं। प्रायोजित फर्जी भाभी का इंटरव्यू हो जाता है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और कांग्रेस के नेता राजनीति करने लग जाते हैं लेकिन जब छत्तीसगढ़ में किसी दलित बेटी के साथ ऐसी वारदात होती है तो ये उसे दबाने में लग जाते हैं। हर रोज गांव गांव शहर शहर दुष्कर्म हो रहे हैं। कहीं सरकार के अफसर आरोपी हैं तो कहीं पुलिस ही दुष्कर्म के आरोपी की एजेंट बनकर पीड़िता पर समझौता करने दबाव डालती है। छत्तीसगढ़ को भूपेश बघेल कहां ले जा रहे हैं। यहां पर मुंह क्यों बंद है ? कांग्रेस की सरकार में छत्तीसगढ़ की युवा पीढ़ी को सरकार क्यों भटका रही है। नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने और संस्कृति के नाम पर ढोंग करने वालों ने यह कैसा नवा छत्तीसगढ़ गढ़ दिया है। छत्तीसगढ़ नशे का गढ़ बन गया है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति को भूपेश बघेल सरकार की नशा संस्कृति ने जकड़ लिया है और इसकी वजह से पूरे प्रदेश में अपराध की बाढ़ आ गई है। खासकर महिलाओं की अस्मत जान पर बन आई है। गंभीर मामलों को दबाया जा रहा है। निगरानी शुदा बदमाश खुले आम घूम रहे हैं। अकलतरा कांड का यह आरोपी भी ऐसा ही निगरानी बदमाश था।

सवाल यह है कि यह कैसी निगरानी है कि निगरानी शुदा बदमाश भूपेश बघेल सरकार की देन अनकंट्रोल नशा का सेवन करके किसी महिला के सम्मान और जीवन का विनाश कर देता है। इस सरकार ने संस्कृति से लेकर कानून व्यवस्था तक की धज्जियां उड़ा दी हैं। कागजी गृहमंत्री से कोई उम्मीद व्यर्थ है। लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह गया है। पत्रकार वार्ता में श्री पांडे के साथ क्षेत्रीय सांसद चुन्नीलाल साहू, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर एवं वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रहास चंद्राकर भी मौजूद थे।

एक नजर

जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने स्वच्छ विद्यालय अभियान की दिशा में अच्छे कार्य करने वाले स्कूलों को किया सम्मानित

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

प्रदेश के गृह लोक निर्माण एवं जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत के सभा कक्ष में किया गया। स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्कूलों में स्वच्छता और स्वच्छता अभियान में उत्कृष्टता को पहचानने, प्रेरित करने और स्वच्छता की आदत को बनाए रखने के लिए स्थापित किया गया है। स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार का उद्देश्य उन स्कूलों को सम्मानित करना है जिन्होंने स्वच्छ विद्यालय अभियान के जनादेश को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके मूल्यांकन का मापदंड पेयजलए प्रसाधन, साबुन से हाथ धोनाए स्कूल का व्यवस्थित संचालनए रख-रखाव, बच्चों के क्षमता निर्माण कोविड 19 के बचाव की तैयारी और प्रतिक्रिया पर अच्छा प्रदर्शन किया है। जिले के प्रभारी मंत्री ने स्वच्छ विद्यालय अभियान की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले स्कूलों को जिला स्तरीय स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान महासमुंद विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकरए खल्लारी विधायक द्वारकाधीश यादव, बसना विधायक देवेंद्र बहादुर सिंह, सरायपाली विधायक किस्मत लाल नंद, जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, जनपद अध्यक्षयतेंद्र साहू, कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस आलोक, जिला शिक्षा अधिकारी एस चंद्रसेन, डीएमसी अशोक शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बतादें कि जिले के 2254 स्कूलों द्वारा ऑनलाइन आवेदन जनवरी से अप्रैल माह तक किया गया। इसमें से 19 स्कूल ने एक स्टारए 129 स्कूल ने दो स्टार, 1083 स्कूल ने थ्री स्टार, 891 स्कूल ने चार स्टार, 111 स्कूल ने फाइव स्टार का रैंक प्राप्त किया। फाइव स्टार स्कूल का विकासखंड व जिला स्तरीय समिति द्वारा पुनः क्रास चेक किया गया। इसके उपरांत प्राप्त रैंक को आधार मानकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शासकीय उच्च प्राथमिक शाला कसेकेरा, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कोमाखान, शासकीय उच्च प्राथमिक शाला लालपुर, शासकीय प्राथमिक शाला चनाट, केंद्रीय विद्यालय महासमुंद, शासकीय प्राथमिक शाला बाराड़ोली, जवाहर नवोदय विद्यालय सरायपाली, प्रतिभा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल बालसी, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सुनसुनिया, शासकीय प्राथमिक शाला तेंदूलोथा कला, प्राइवेट कारमेल कान्वेंट स्कूल बागबाहरा, शासकीय प्राथमिक शाला केलवारडबरी, शासकीय उच्च प्राथमिक शाला खरोरा, शासकीय आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल महासमुंद, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बावनकेरा, प्राइवेट ड्रीम इंडिया स्कूल महासमुंद, शासकीय प्राथमिक शाला कुहरी, चंद्रोदय पब्लिक स्कूल महासमुंद, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बेलसोण्डा, शासकीय प्राथमिक शाला शासकीय दुरूगपाली, प्राथमिक शाला बुनियादी पिथौरा, प्राइवेट सेंट फ्रांसिस स्कूल राजासेवईया खुर्द, द्रोण पब्लिक स्कूल पिथौरा, शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय किसड़ी, न्यू स्टीफन मॉडल स्कूल सरायपाली, शासकीय प्राथमिक शाला अमलीडीह, शासकीय उच्च प्राथमिक शाला तोषगांव, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मोहदा को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने नगर निगम क्षेत्र में स्थित धनवंतरी जेनरिक मेडिकल स्टोर्स का किया निरीक्षण

कोरबा । कलेक्टर संजीव झा ने आज राज्य शासन की सस्ती कीमत पर लोगों को जेनरिक दवाईयां उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किये गये धनवंतरी जेनरिक मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया। उन्होने कोरबा शहर के कोसाबाडी चौक और पुराना बस स्टैण्ड में स्थित धनवंतरी मेडिकल स्टोर में पहुंचकर वहां उपलब्ध दवाईयों और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

विद्युत दुर्घटनाओं के प्रति लोगों को ज्यादा जागरूक बनाएंः कोसरिया

कोरबा । विद्युत दिखाई नहीं देती और असुरक्षित कार्य से हादसे की आशंका बनी रहती है। इसलिए विद्युत दुर्घटनाओं के प्रति लोगों को ज्यादा जागरूक बनाएं। यह बातें राष्ट्रीय विद्युत संरक्षा सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्य अभियंता एचएन कोसरिया ने व्यक्त किए। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 26 जून से 04 जुलाई तक राष्ट्रीय विद्युत संरक्षा सप्ताह मनाया गया। इस दौरान जनजागरूकता के विभिन्न आयोजन भी कराए गए।

राष्ट्रीय विद्युत संरक्षा सप्ताह के समापन समारोह में संरक्षा विभाग ने विद्युत से सुरक्षा पर बनी फिल्म का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजाबाबू कोसरे ने अच्छे कंडक्टर एवं विद्युत उपकरणों के इस्तेमाल पर जोर दिया। अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकरा ने कहा कि कैपिसीटर में बिजली स्टोर रहती है। इसलिए कैपिसीटरयुक्त उपकरणों में सुधार के वक्त उसे डिस्चार्ज कर लेना चाहिए। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता रामजी सिंह, आरजी देवांगन और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ डॉ. आरके तिवारी ने भी विद्युत संरक्षा पर अपने विचार रखे।

चिटफंड कंपनी केएमजे लैण्ड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड की लगभग 11 करोड की संप्पति कुर्की के अंतिम आदेश जारीए

निवेशकों को अब वापस मिल सकेगा उनका रकम

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिये गये निर्देशों के पालन में पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग बीएन मीणा के दिशा-निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेमेतरा राजीव शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर चिटफंड कंपनियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज तक 8 डायरेक्टरों को गिरफ्तार किया गया है।

तथा एक मर्सिडीज कार और दो बंगले चण्डीगढ़ सहित 72 एकड़ जमीन को चिन्हीत किया गया।

इसके अलावा पूर्व में हजारों लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाले पीएसील कंपनी के फरार डायरेक्टर गुरजंत सिंह गिल को बेमेतरा पुलिस न केवल गिरफ्तार करने में सफल रही बल्कि कंपनी के नाम से खरीदे गये आलीसान बंगले जिनकी कीमत 15 करोड रूपये से उपर है का भी चिन्हांकन करने में सफल रही। वर्तमान में यह संम्पत्ति कुर्की कार्यवाही हेतु प्रक्रियाधीन है। बेमेतरा पुलिस शासन की मंशा अनुसार चिटफंड कंपनियों के अधिक से अधिक संपत्ति चिन्हांकन कर कुर्की कर निवेशकों को ठगी का पैसा वापस दिलवाने एवं आरोपियों को गिरफ्तार करने हेतु प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में विगत 6 माह में अलग-अलग थानों में दर्ज कुल 11 प्रकरण में अलग-अलग चिटफंड कंपनियों के 8 डायरेक्टरों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। जिसमें बीएनगोल्ड रियल स्टेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर अनील शर्मा निवासी पूणे महाराष्ट्र, विनय कुमार यादव, विकास कुमार यादव दोनों निवासी भोजपुर बिहार, बलजीत सिंह संधु निवासी जालंधर पंजाब, पीएसीएल कंपनी के डायरेक्टर अनुराग शर्मा निवासी चंडीगढ़, जोगेन्दर टाईगर निवासी पटियाला पंजाब, साई प्रकाश डेवलपमेंट कंपनी के डायरेक्टर मृगेन्द्र सिंह बघेल निवासी सहडोल मध्यप्रदेश, रायल लाईफ मार्केटिंग के फरार डायरेक्टर धनेन्द्र गजभिये निवासी बालाघाट को गिरफ्तार काने में सफलता प्राप्त हुई है।

ज्ञात हो की केएमजे डेवलपर्स इंडिया द्वारा बेमेतरा जिले के निवेशकों एवं प्रदेश के अन्य जिलों को निवेशको से करोड़ो रूपये का चुना लगाकर भाग गई थी जिसके डायरेक्टर संतोषी लाल राठौर एक लम्बे समय से फरार चल रहा है जिसके द्वारा सेबी की फर्जी एनओसी बनाकर बेमेतरा जिले मे 72 एकड़ जमीन जिसकी कीमत लगभग 11 करोड रूपये आंकी गई है को बेच दिया गया था इस संबंध में एक शिकायत बेमेतरा पुलिस अधीक्षक को प्राप्त हुई थी। जारी एनओसी की पुष्टि कराने हेतु सेबी को पत्र लिखा गया। सेबी ने कोई एनओसी जारी नहीं की गई ऐसा लेख किया गया। इस पर से पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला दण्डाधिकारी बेमेतरा को प्रतिवेदन भेजकर उक्त भूमिका नामांतरण कैंसल कराने प्रतिवेदन भेजा गया जिस पर से जिला दण्डाधिकारी द्वारा नामंतरण कैंसल कर कुर्की हेतु प्रथम आदेश जारी किया गया तथा अंतिम आदेश हेतु प्रकरण माननीय विशेष न्यायाधीश बेमेतरा को भेजा गया। इस पर माननीय विशेष न्यायाधीश बेमेतरा जयदीप विजय निमोणकर की आदालत द्वारा उक्त भूमिका की कुर्की के अंतिम आदेश जारी किये गये है। जिसकी नीलामी की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। जिससे बेमेतरा एवं छत्तीगढ़ के हजारों निवेशकों की खून-पसीने की कमाई के पैसे वापस मिलने की आशा जगी है।

उजले-उजले नेता, काले काले कारनामें

करोड़ों की नगदी ज्वेलरी व बेनामी संपत्ति के दस्तावेज आयकर विभाग को छापे में मिली

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

बीते गुरूवार से रविवार तक आयकर विभाग द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर छत्तीसगढ़ एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार केंद्रीय एजेंसी ने राज्य की सत्ता में खासा रसूख रखने वाले सूर्यकांत तिवारी और उनके सहयोगियों सहित खुद मुख्यमंत्री के डिप्टी सेक्रेटरी सौम्या चौरसिया को भी कार्रवाई के दायरे में लिया है। सूत्रों के मुताबिक कार्रवाई के तार हाल ही में कोरबा में जमीनों की बड़ी डील और कोयला कारोबार से जुड़े हैं।

सूर्यकांत और उनसे जुड़े सहयोगियों के ठिकाने जांच के दायरे में

गत 30 जून को जब छत्तीसगढ़ के सत्ता प्रतिष्ठान और राजनीति से जुड़े चुनिंदा रसूखदारों के ठिकानों पर आयकर की कार्रवाई शुरू हुई तो यह स्पष्ट होते देर नहीं लगी कि इसके केंद्र में सूर्यकांत तिवारी ही हैं। चूंकि आयकर अमले ने राजधानी में उनके अनुपम नगर स्थित निवास से लेकर महासमुंद स्थित पैतृक आवास और उनके करीबी मित्रों के साथ कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर और रायपुर में वीआईपी रोड स्थित एक पॉश कॉलोनी में उन्हीं ठिकानों को छानबीन के दायरे में लिया था। जो किसी न किसी रूप में उनसे संबंधित हैं। हालांकि जब आईटी की टीम ने संबंधित ठिकानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया तब खुद सूर्यकांत तिवारी उनके सहयोगी चंद्राकर और हेमंत जायसवाल भी मौके पर मौजूद नहीं थे। सूत्रों के मुताबिक वे उस समय किसी अन्य राज्य में थे और केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें वहीं से पूछताछ की प्रक्रिया में शामिल किया था। इसके बाद उन्हें जुलाई की शाम को रायपुर लाया गया था।

कोरबा की जमीन और कोयला कारोबार से जुड़े तार

सब जानते हैं कि कोयला छत्तीसगढ़ की अर्थ व्यस्था का अहम आधार है। इसी के चलते राज्य में कोयला खनन से लेकर उसके ट्रांसपोर्टेशन तक का बहुत बड़ा कारोबार है और इसमें सत्ता प्रतिष्ठान और राजनीतिक दलों से जुड़े बड़े रसूखदारों की भी भागीदारी है। यही वजह है कि राज्य की विधानसभा में भी पिछले करीब डेढ़ बरस से सदन के भीतर से लेकर बाहर तक कोयला ट्रांसपोर्टेशन के क्षेत्र में 25 रुपए प्रति टन विशेष सेवा शुल्क की चर्चा सरगर्म रही है। जानकार बताते हैं कि ऐसा नहीं है कि छग में कोयला ट्रांसपोर्टेशन में विशेष सेवा शुल्क की परंपरा अभी लागू हुई है। राज्य की व्यवस्था में ये परंपरा पहले से ही प्रभावी है। लेकिन पहले ये परंपरा इतनी केंद्रीयकृत और सशक्त नहीं थी जितनी अब हो गई है। कोयला कारोबार में इस अघोषित परंपरा और व्यवस्था का अहम केंद्र कोरबा ही है।

कोल वॉशरी के लिए जमीनों की बड़ी डील

बताया जा रहा है कि आयकर की कार्रवाई के तार कोरबा में कोयला कारोबार से संबंधित जमीनों की बड़ी और बेशकीमती डील से जुड़े हैं। इनमें से एक जमीन कोरबा जिले की बरपाली तहसील में बताई गई है। जबकि दूसरी जमीन कोरबा के ही कोधारी इलाके के गांव जमनीपाली में बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक जमीनों की रजिस्ट्री 3 जून को टुकड़ों में हुई है। इसमें बहुत बड़ी राशि का निवेश हुआ है। चूंकि जिस इलाके में ये जमीनें खरीदी गई हैं वहां कई कोल वॉशरी स्थापित हैं। इसलिए माना जा रहा है कि जमीनों का ये बड़ा सौदा यहां कोल वॉशरी लगाने के उद्देश्य से ही किया गया है। इसकी भनक लगने पर ठोस दस्तावेजी सबूत जुटाने के लिए ही आयकर की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया है।

आखिर कौन है सूर्यकांत तिवारी?

सत्ताजगत में खासा रसूख रखने वाले सूर्यकांत तिवारी मूल रूप से महासमुंद के रहने वाले हैं। पूर्व में उनकी पहचान कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे विद्याचरण शुक्ल के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में रही है। बताते हैं कि विद्याचरण उन्हें बेटे जैसा स्नेह करते थे। कालांतर में वे अजीत जोगी के साथ नजर आने लगे। जानकार बताते हैं कि 2003 में प्रदेश में सत्ता की बाजी पलटने के बाद वे बीजेपी सरकार में दो प्रभावशाली मंत्रियों की नजदीकी हासिल करने में भी कामयाब रहे। सूर्यकांत तिवारी उस दौर में राजधानी के एक प्रभावशाली व्यवसायी के साथ भी खूब देखे गए। यह व्यवसायी विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। 15 सालों के शासन के बाद जब प्रदेश में पुनः कांग्रेस सरकार आई तो फिर से सत्ता के गलियारों में सूर्यकांत का नाम सूरज की तरह चमकने लगा। उन्हें करीब से जानने वाले बताते है कि सूर्यकांत तिवारी बेहद मृदुभाषी वे न सिर्फ बेहद चपलता से संकट मोचन की भूमिका निभाने में माहिर है बल्कि अपनी इस इमेज को सुनियोजित तरीके से प्रचारित कर इसे स्थापित करने में भी सिद्ध हस्त है।

करोड़ रुपये से अधिक के कलेक्शन के साक्ष्य मिले

आयकर विभाग के बयान में बताया गया है कि तलाशी अभियान के दौरान दोषी ठहराने वाले कई दस्तावेज, खुली अकाउंट शीट्स और डिजिटल साक्ष्य मिले हैं और उन्हें जब्त कर लिया गया है। आयकर ने अपने बयान में कहा है कि कोयला व्यवसाय से जुड़े समूह अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली में राज्य भर में कोयला परिवहन पर गलत तरीके से नियमित कलेक्शन शामिल है। जिससे भारी बेहिसाब आय का सृजन होता है। इस तरह के कम समय में 200 करोड़ रुपये से अधिक के कलेक्शन के साक्ष्य मिले हैं। इसकी पुष्टि समूह के प्रमुख विश्वसनीय सहयोगियों ने की है। इसके अलावा सरकारी अधिकारियों को किए गए कुछ नकद भुगतानों की भी पहचान की गई है।

चुनावों में भी नगद खर्च करने के सबूत मिले

आयकर विभाग के बयान में आगे बताया गया है कि जब्त किए गए सबूतों से यह भी संकेत मिल रहा है कि समूह ने कोल वाशरीज की खरीद में लगभग 45 करोड़ रुपये का बेहिसाब नकद भुगतान किया है। इसके अलावा, इसके भी सबूत मिले हैं कि हाल ही में हुए चुनावों के दौरान समूह द्वारा नकद खर्च किया गया है।

तलाशी में मिली बेनामी संपत्ति की जानकारी

तलाशी अभियान में आयकर विभाग को बेनामी संपत्ति की भी जानकारी मिली है। आयकर विभाग के द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में संपत्ति के समझौते मिले हैं। जिससे पता चलता है कि अचल संपत्तियों के अधिग्रहण में भारी अघोषित निवेश किया गया है। जिसकी प्रकृति बेनामी प्रतीत होती है। सरकारी अधिकारी से संबंधित कथित मालिकों द्वारा 50 एकड़ अचल संपत्तियों के अधिग्रहण में किए गए निवेश के स्रोत की जांच की जा रही है।

करोड़ रुपए की आय छिपाने की कोशिश

आयकर विभाग की इस तलाशी अभियान के दौरान 9.5 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित नकदी और 4.5 करोड़ रुपये के आभूषण अब तक जब्त किए जा चुके हैं। इसके अलावा तलाशी के दौरान जुटाए गए सबूतों की शुरुआती जांच में पता चला है कि समूह ने कई सौ करोड़ रुपए की आय दिखाने से बचने की कोशिश की है। यानी सैकड़ों करोड़ रुपए की आय को छुपाने की कोशिश की गई है। फिलहाल इस मामले में आयकर विभाग की जांच जारी है। तथा सूर्यकांत तिवारी से पूछताछ के लिये अभी तक आयकर विभाग की रिमांड पर है।

राजनीतिज्ञ बनाम कारोबारी सूर्यकांत तिवारी पूछताछ के लिये अभी भी आयकर विभाग की कस्टडी में

बनाना ही नहीं था तो क्यों तोड़ दिए पुलिया को

ठेकेदार द्वारा पिछले साल तोड़ा गया पुलिया अभी तक नहीं बना, बरसात में आवागमन बाधित होने से ग्रामीण होंगे परेशान

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

जब पुलिया को बनाना ही नहीं था तो ठेकेदार ने क्यों तोड़ दिया। पिछले बरसात में उस मार्ग में आवागमन बाधित था। जिस कारण क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। इस बार फिर बरसात शुरू हो गई लेकिन पुलिया टूटा ही पड़ा है। पता नहीं कब ठेकेदार पुलिया को बनाएगा।

बात कर रहे हैं धरमजयगढ़ से कापू मार्ग पर मिरिगुड़ा के पास में बनने वाला पुलिया की। जहां पहले से पुलिया बना हुआ था। लेकिन नए सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने पर ठेकेदार द्वारा उसे तोड़ दिया गया। जिस पर नए पुलिया के निर्माण किया जाना है। पिछले साल पुलिया को तोड़कर बगल में परिवर्तित मार्ग बना दिया गया था जो पहली बारिश में ही बह गया। जिससे उस क्षेत्र के लोगों का बरसात के दिनों में धरमजयगढ़ से संपर्क टूट सा गया था। लोगों को उम्मीद थी कि इस बार बरसात से पहले उस पुलिया का निर्माण हो जाएगा। लेकिन क्या वह तो जस का तस पड़ा हुआ है। फि र से बगल में परिवर्तित मार्ग बना दिया गया है। जो फि र लोगों को परेशानी में डालने वाला है। ठेकेदार का काम तो नौ दिन चले अढ़ाई कोस जैसे मुहावरे को भी मात दे रहा है। बता दें कि धरमजयगढ़ से कापू मार्ग छत्तीसगढ़ राज्य सड़क क्षेत्र परियोजना एडीबी प्रोजेक्ट के तहत स्वीकृति हुआ है। जो लोक निर्माण विभाग के मार्गदर्शन में निर्माण किया जा रहा है। जिसका ठेका मे. एस के एल एल पी एस बी ई पी एल जे व्ही को मिला है। निर्माण कार्य का आदेश 24 जुलाई 2020 को हुआ था। जिसका कार्य अवधि 20 माह था। यह मार्ग की दूरी 32.596 किलोमीटर है, जिसका लागत 94.79 करोड़ रुपये है। लेकिन अवधि से 4 माह अधिक का समय बीत जाने के बाद भी कार्य अधूरा है।

मुआवजा को लेकर भूमिस्वामी मुख्यमंत्री से करेंगे शिकायत

मजेदार बात तो यह है कि इस मार्ग के लिए जनसुनवाई एवं ग्राम सभा की कार्यवाही पूर्ण नहीं हुआ है। जिस कारण से प्रभावित भूमि स्वामियों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। कम्पनी भोले भाले आदिवासियों को गुमराह कर फर्जी तरीके से कागजों में जनसुनवाई एवं ग्राम सभा की कोरम पूरा करने में लगा है। जिसमें कुछ शासकीय कर्मचारियों की संलिप्तता है। जब कागजी कार्यवाही पूरा नहीं हुआ तो किस आधार पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। जो सीधे शब्दों में कहें तो आदिवासियों के साथ अन्याय हो रहा है। अब देखते हैं कि मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद क्या किसानों को न्याय मिल पाएगा?

धरमजयगढ़ आगमन पर मुख्यमंत्री से शिकायत करने की तैयारी

पिछले साल कई महीनों तक मुख्यालय से टूटने वाले ग्रामीण मुख्यमंत्री के आगमन के इंतजार में बैठे हैं। क्योंकि निचले स्तर के अधिकारियों को कई बार शिकायत किया जा चुका है, वहीं स्वयं अधिकारी उस मार्ग के बारे में जानते हैं। लेकिन समाधान नहीं करते। इसलिए ग्रामीणों के लिए अच्छा मौका होगा कि मुख्यमंत्री का खम्हार आगमन हो रहा है। जहां क्षेत्रवासियों की पहली शिकायत सड़क एवं पुलिया निर्माण में हो रही देरी के संबंध में होगी।

एक नजर

जिले में अब तक 167 मिमीण् औसत वर्षा दर्ज

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 6 जुलाई 2022 सवेरे 8 बजे तक की स्थिति में जिले में 167.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। सर्वाधिक 220.6 मिमी वर्षा बेमेतरा तहसील में तथा न्यूनतम 119 मिमी वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार थानखम्हरिया तहसील मे 202.7 मिमी वर्षा, बेरला तहसील में 121.8 मिमी तथा साजा तहसील मे 172.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

कलेक्टर झा के निर्देश पर तत्काल हटाये गये प्रधान पाठक

जनचौपाल में 130 लोगों ने दिये आवेदन

कोरबा । जनचौपाल में प्रधान पाठक के खिलाफशारीरिक और मानसिक रूप से प्रताडित करने के संबंध में मिली शिकायत पर कलेक्टर संजीव झा ने तत्परता दिखाते हुए कार्यवाही की है। कलेक्टर झा के निर्देश पर प्राथमिक शाला सुतर्रा में पदस्थ प्रधान पाठक महेत्तर लाल पटेल को मूल पदस्थापना से अन्य जनपद के प्राथमिक शाला में संलग्न किया गया है। जन चौपाल में प्रधान पाठक के खिलाफ शारीरिक और मानसिक प्रताडना के गंभीर शिकायत प्राप्त हुआ था। इस संबंध में कलेक्टर झा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी को पूरे प्रकरण की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा प्रधान पाठक को अन्य स्कूल में पदस्थ करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिये थे। कलेक्टर के निर्देश पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी कर दिये है। उन्होने बताया कि स्कूल की एक अन्य शिक्षिका के विरूद्ध गंभीर शिकायत प्राप्त हुआ है। उन्हे भी दूसरे जनपद के प्राथमिक शाला में संलग्न किया गया है। आज आयोजित जनचौपाल में एडीएम विजेन्द्र पाटले, डी.एफओ. कोरबा प्रियंका पाण्डेय, डीएफओ कटघोरा प्रेमलता यादव, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय सहित सभी विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे। जिले वासियों ने अपनी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए। कलेक्टर संजीव झा ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित जनचौपाल में लोगों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निदान के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। जन चौपाल में 130 लोगों ने कलेक्टर झा को अपनी समस्याओं-सुझावों से अवगत कराया। कलेक्टर झा ने संवेदनशीलता के साथ पहल करके नागरिकों की मदद करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होने पात्रतानुसार सभी जरूरतमंदो की सहायता कर लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

मेधावी छात्रा को मेडिकल कोचिंग के लिए मिलेगी सहायता, कलेक्टर झा ने दिये निर्देश- जन चौपाल में आज ग्राम रलिया निवासी सुन्दर लाल खुंटे ने अपनी मेधावी पुत्री को मेडिकल कोचिंग दिलाने में सहायता प्रदान करने के संबंध में कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए। कमजोर आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए उन्होने बच्ची की पढाई के लिए जिला प्रशासन से मदद मांगी। कलेक्टर झा ने आवेदन पर संज्ञान लेते हुए सुन्दर लाल की पुत्री कुमारी रितु खुंटे के नीट कोचिंग के लिए जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक मदद करने के निर्देश अपर कलेक्टर को दिये।

ग्राम मोहभट्ठा में हुआ जन-चौपाल शिविर का आयोजन

कलेक्टर ने किया 10 किसानों को ऋण पुस्तिका का वितरण, शिविर में 250 में से 226 आवेदनों का किया गया मौके पर निराकरण

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेमेतरा जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों के बीच जाकर उनकी समस्या को समझने और यथा सम्भव निराकरण करने के उद्देश्य से आज विकासखण्ड बेरला के ग्राम मोहभट्ठा में अनुविभाग स्तरीय जन-चौपाल शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित हुए। शिविर में प्राप्त 250 आवेदनों में से 226 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। बरसात के मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति कायम रही और ग्रामीणों के लिए यह शिविर लाभकारी रहा। कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने ग्रामीणों से रु-ब-रु होकर उनकी समस्याएं सुनीं और विभागीय अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ी में संबोधित करते हुए कहा कि जिले में यह मेरा प्रथम शिविर भ्रमण है, यहां आप सभी लोगों के बीच आकर मुझे अच्छा लगा। जिला प्रशासन के शिविर का आशय है कि शिविर के माध्यम से गांव के लोगों को अधिक से अधिक सुविधाएं मिलें, उनका जीवन सहज तथा सरल हो, शासन की योजनाओं का लाभ सरलता से मिले, समस्याओं के निराकरण के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ें, इसी उद्देश्य से सभी विभाग के अधिकारियो की उपस्थिति में जन चौपाल शिविर के माध्यम से समस्याएं सुन मौके पर निराकरण किया जाएगा। राजस्व विभाग द्वारा 10 किसानों को किसान किताब ऋण पुस्तिका का वितरण किया गया और नामांतरण के 99 प्रकरण निराकृत किए गए। शिविर में 31 राशन कार्ड बनाकर वितरित किया गया साथ ही आय, जाति एवं निवास के 97 प्रमाण पत्र बनाया गया। इस दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित पुस्तक, बुकलेट का निःशुल्क वितरण किया गया। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतर लीना मण्डावी, अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बेरला संदीप ठाकुर, जनपद पंचायत सीईओ सीपीमनहर, नायब तहसीलदार नीलम पिस्दा, मोहभट्ठा के सरपंच भूषण पाल सहित जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्ट्री के पुराने दिनों को ओपी ने याद किया

जांजगीर स्थित केंद्रीय विद्यालय को देख ओपी को पुराने दिन याद आए

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

संगठन के व्यस्तम दौरे के मध्य जांजगीर जिले में खोखरा रोड के निकट से गुजरते समय केंद्रीय विद्यालय का बोर्ड को देखकर प्रदेश भाजपा नेता ओपी चौधरी की पुरानी यादें ताजा हो गई। सोशल मंच में केंद्रीय स्कूल से जुड़ी यादों को तरोताजा करते हुए ओपी चौधरी भावुक भी हुए।

सोशल मंच में ओपी चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 1998 के दौरान जिला निर्माण के बावजूद16 वर्षों तक केंद्रीय विद्यालय का निर्माण नहीं हो पाया था। 2014 के दौरान बतौर कलेक्टर उनकी पदस्थापना इस जिले में हुई। ओपी का मानना है लक्ष्य हासिल करने में जितनी बड़ी बाधा हो उसे संकल्प शक्ति के जरिए आसानी से पार किया जा सकता है। कलेक्टर बनते ही उन्होंने केंद्रीय स्कूल निर्माण की दिशा में प्रयास तेज किए। पालीटेकनिक कालेज कैम्पस में अस्थायी शुरुआत की गई। इसके बाद केंद्रीय विद्यालय के निर्माण हेतु जांजगीर-चाम्पा के मध्य कुलिपोटा में जमीन आबंटित की गई। एनएच घोषित होने की वजह से आबंटित जमीन दो हिस्सों में बंटने के कारण आवंटन निरस्त हो गया। ओपी ने नया क्षेत्र खोखरा स्थित जमीन का आबंटन कर स्कूल निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के इस पावन व वृहद मंदिर को देखकर आत्मिक संतोष हासिल करने वाले ओपी चौधरी को छग प्रदेश के बदलाव के महानायक के रूप में देखा जा रहा है। नक्सल क्षेत्र के अंधकार में शिक्षा के जरिए आलोक फैलाने वाले ओपी के प्रयासों को केंद्र की मनमोहन सरकार ने सराहा तो वही राज्य की तात्कालिक रमन सरकार ने भी ओपी के माडल को अपनी योजनाओं में शामिल किया। कार्यों का उद्देश्य जन सेवा को समर्पित हो तो चाहे पक्ष हो या विपक्ष मिलते जन समर्थन के प्रवाह को रोक पाना किसी के बस में नहीं होता।

आवश्यकता है

		पद
1. समाचार रिपोर्टर	-	3
2. कम्प्यूटर आपरेटर	-	1
3. ऑफिस कार्य के लिए	-	3

वेतन योग्यतानुसार

इच्छुक युवक/युवति अपना बायोडाटा के साथ संपर्क करें।

दैनिक जोहार छत्तीसगढ़

कार्यालय धरमजयगढ़

मो. 7489419194,9479177711, 7879121221

यूथ एक्सचेन्ज प्रोग्राम के तहत 21 युवक और 9 युवतियों को देहरादून भ्रमण के लिए भेजा गया

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

13 वीं ट्राईवल यूथ एक्सचेन्ज प्रोग्राम के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिला के आदिवासी युवाओं व युवतियों को सीआरपीएफ, 2 री वाहिनी द्वारा 27 जून से 4 जुलाई तक युवाओं को जागरूक करने के मकसद से नेहरू युवा केन्द्र संगठन की सहायता से सुकमा जिले के घोर नक्सल प्रभावित ईलाके गोण्डपल्ली, कोन्डरे, मुंगा, पोलमपल्ली, तमीलवाड़ा, डुब्बाकोन्टा, ईन्जीराम, आशीरगुड़ा, मणीकोन्टा एवं ऐर्राबोरे आदि गांवों से देहरादून उत्तराखंड के लिए भेजा गया था ताकि वे भारत देश के विकास को नजदीक से देख सकें और वापस आने पर अपने क्षेत्र के लोगों को इससे सम्बन्धित सभी प्रकार की जानकारी को साझा करें व अपने क्षेत्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इस कार्यक्रम के तहत 21 युवक और 9 युवतियों को देहरादून उत्तराखंड भ्रमण के लिए भेजा गया था। जिनके भ्रमण से आने के उपरांत 2 री वाहिनी के टशी ज्ञालिक, कमाण्डेन्ट द्वारा इन युवाओं से यात्रा के विभिन्न पहलुओं एवं अनुभवों के बारे में पूछा गया। युवाओं व युवतियों द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के भ्रमण से वे सभी जागरूक हुए है तथा मन में एक नई लालसा लेकर लौटे हैं, क्योंकि उन सभी को देश के उन क्षेत्रों में विकास की बयार को नजदीक से हो रहे तरक्की के साथ-साथ देश के सांस्कृतिक व ऐतिहासिक धरोहर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ।

साथ ही उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए यह भी बताया कि भविष्य में भी इस तरह का पहल सरकार द्वारा जारी रखा जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक आदिवासी युवक व युवतिओं को अपने देश के वास्तविक तस्वीर को नजदीक से देखने का मौका मिलता रहे।

कमाण्डेन्ट 02 री वाहिनी ने युवाओं को संबोधित करते हुए यह आशा जताई कि इस कार्यक्रम से यहां के युवाओं को जो अनुभव प्राप्त हुआ है वो अपने क्षेत्र के लोगों के साथ आदान-प्रदान तथा चर्चा करेंगे। इस मौके पर 02 री वाहिनी के नवीन राणा, द्वितीय कमान अधिकारी, अनामी शरण द्वितीय कमान अधिकारी, कुलदीप कुमार उप कमाण्डेन्ट व संजीव कुमार, उप कमाण्डेन्ट, अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित थे। टशी ज्ञालिक, कमाण्डेन्ट ने इस अपील एवं आशा के साथ युवाओं को अपने-अपने स्थानीय गांव के लिए रवाना किया कि वे अपने अनुभवों को सकारात्मक रूप में स्थानीय लोगों से साझा करेंगें व इस क्षेत्र के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देंगे।

थाना कुकानार क्षेत्र 1 महिला सहित 4 स्थाई वारंटी नक्सलियों ने किये आत्मसमर्पण

2 आत्मसमर्पित नक्सलियों पर पुलिस अधीक्षक सुकमा द्वारा 2000-2000 का घोषित है इनामी

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जिले में वरिष्ठ अधिकारी द्वारा चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के प्रचार-प्रसार एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे पूना नर्कोम अभियान नई सुबह, नई शुरूवात से प्रभावित होकर नक्सलियों के अमानवीय व आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाली हिंसा से तंग आकर समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सामान्य जीवन जीने के उद्देश्य से 1 महिला सहित 4 नक्सलीं सदस्यों पोड़ियामी हांदा सीएनएम सदस्य, कुंजामी हुंगा जनमिलिशया सदस्य, कुंजामी जोगा जनमिलिशिया सदस्य, सोड़ी देवे जनमिलिशया सदस्य सभी का साकिनान थाना कुकानार क्षेत्र द्वारा बुधवार को नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में कुलदीप कुमार जैन कमांडेंट 226 वाहिनी सीआरपीएफ किरन चव्हाण अति. पुलिस अधीक्षक नक्स ऑप्स सुकमा, अजीत भाटी दूआईसी 226 वाहिनी सीआरपीएफ मुक्तिनाथ पाण्डेय, सहायक कमांडेंट 226 वाहिनी सीआपीएफ एवं परमेश्वर तिलकवार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सुकमा के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किये गये। नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने हेतु प्रोत्साहित करवाने में 226 वाहिनी के विशेष सूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत् सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय किया जायेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in